Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 **Issue-** 06
Ghaziabad, Sunday, 09 July- 2023

09 July to 15 July- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18

RNI.No: UPBIL/2009/28691

DAVP Code:101473

Editor: Dheeraj Kumar

Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

TIRUPATI EYE

13 जुलाई तक भारी बारिश होगी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में 13 जुलाई तक भारी बारिश होगी। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, मानसून टर्फ इस वक्त उत्तर के तराई की ओर बढ़ रहा है। बंगाली की खाड़ी से आती आद्र पुरवा हवा और पश्चिमी विक्षोभ के चलते चली पछुआ हवा के टकराने से मानसून के अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इस–ाके चलते आने वाली 13 जुलाई तक अच्छी बरसात होगी। यह बारिश पूरे प्रदेश को भिगोएगी। 11 को पूरे प्रदेश में भारी से भारी बरसात होने के आसार बताए जा रहे हैं। 11-12 जुलाई को पश्चिमी और पूर्वी यूपी के लगभग सभी स्थानों पर बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज चमक के साथ बारिश होगी। जबकि पूर्वी यूपी में कुछ स्थान पर ही गरज चमक के साथ बरसात हो सकती है। 10 जुलाई को पश्चिमी यूपी में गरज चमक के साथ लगभग सभी स्थानों पर बारिश हो सकती है। इस दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी लगभग सभी स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। 11 और 12 जुलाई को बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। 11 जुलाई को पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी में लगभग सभी स्थानों पर बारिश हो सकती है। 12 जुलाई को पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी में भी गरज चमक के साथ लगभग सभी स्थानों पर बारिश होने की संभावना है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

पहली बारिश ने खोल दी सारे दावों की पोल

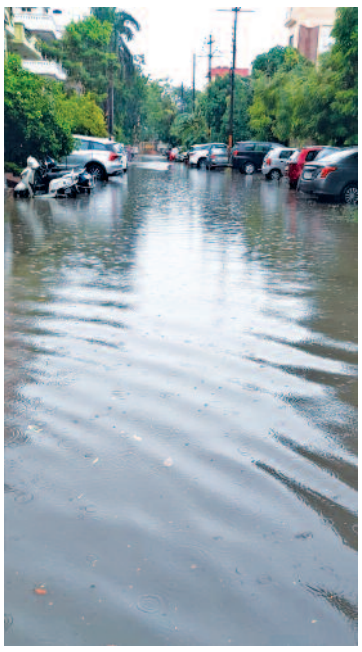

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। मॉनसून की पहली तेज बारिश ने शहर में जल निकासी के सारे दावों की पोल खोल दी है। शहर में हुई तीन घंटे की तेज बारिश के बाद अधिकांश जगहों पर जलभराव की समस्या देखी गई। कई स्थानों पर घरों तक में पानी घुस गया है। बारिश और जलभराव के कारण शहर के कई स्थानों पर भारी ट्रैफिक जाम हो गया। राजनगर एक्सटेंशन में कई किलोमीटर तक लंबा जाम हो गया।

गाजियाबाद में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। सुबह तकरीबन 9 बजे शुरू हुई यह बारिश 12 बजे के बाद बंद हो पाई और इस दौरान अलग-अलग इलाकों में जलभराव देखने को मिला। शनिवार को भी पूरे दिन बारिश होती रही। इस बारिश में गाजियाबाद के कई इलाके पानी में पूरी तरीके से डूबे दिखाई दिए जिनमें गौशाला फाटक मोदीनगर थाना लोनी इलाका और साथ ही साथ गाजियाबाद के नगर आयुक्त का सरकारी आवास भी पानी में पूरी तरह डूबा दिखाई दिया।

बारिश के चलते लोगों को भीषण गर्मी से तो निजात मिली, साथ ही पारा भी कुछ नीचे हुआ है लेकिन इस बारिश ने लोगों की दिक्कतें भी बढ़ा दी हैं। बारिश के चलते लोनी, कविनगर, खोड़ा, इंदिरापुरम सहित कई इलाकों में जलभराव की तस्वीरें देखने को मिली हैं। सबसे ज्यादा पानी गौशाला अंडरपास में भरा हुआ है। करीब 20 फीट पानी गौशाला अंडरपास में भरा हुआ है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर गाजियाबाद के नगरायुक्त नितिन गौड़ के सरकारी आवास का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में सांप देखने को मिल रहा है कि पानी सड़क के बाहर और घर के अंदर भी पहुंचा हुआ है।

गाजियाबाद के मोदीनगर में मोदी नगर थाने का भी एक वीडियो सामने आया है। जिसमें साफ तौर पर यह देखने को मिल रहा है कि थाने के अंदर भी पानी लबालब भरा हुआ है और सड़क से लेकर थाना पूरी तरीके से पानी में डूबा हुआ दिखाई दे रहा है। दरअसल, इस रोड पर रैपिडएक्स ट्रेन का काम चल रहा है। इस वजह से सड़क का एक हिस्सा एनसीआरटीसी ने लिया हुआ है। बारिश के चलते यहां दलदल जैसे हालात बने हुए हैं।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद मेयर सुनीता दयाल ने दावा किया था कि मॉनसून आने से पहले शहर के सभी बड़े और छोटे नालों की सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा।

लेकिन गुरुवार को हुई मॉनसून की पहली बारिश में ही नालों की सफाई करने के दावे की पोल खुल गई। हकीकत यह है कि वीवीआईपी कहे जाने वाले इलाकों में भी भारी जलभराव हो गया। पानी की निकासी नहीं होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी हुई। यहां तक कि नगर आयुक्त के राजनगर स्थित कैंप कार्यालय के बाहर भी भारी जलभराव हो गया। कैंप कार्यालय के दोनों रास्तों पर घुटनों तक पानी भर गया। पॉश राजनगर के कई सेक्टरों में भी जलभराव देखा गया। इस कारण वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। नगर निगम मुख्यालय के बाहर और नवयुग मार्केट में भी भारी जलभराव से लोगों को खासी परेशानी हुई। गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू हुई तेज बारिश के कारण ऑफिस जाने वालों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कांवड़ यात्रा पर पड़ेगा असर

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटे नगर निगम व दूसरे विभागों को तैयारियों की असलियत से उस वक्त परिचित होना पड़ा जब जलभराव के कारण विजयनगर गौशाला फाटक पूरी तरह डूब गया। लाइनपार क्षेत्र से श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर की ओर जाने का यह मुख्य मार्ग है। श्रीमहंत नारायण गिरी ने कहा कि वे पहले से ही तैयारियों को लेकर खुश नहीं हैं। अब उनकी बातें सच साबित हो रही है। यही हाल रहा तो कांवड़ियों की क्या हालत होगी, इसे समझा जा सकता है। मेरठ रोड पर कई जगहों पर भारी जलभराव है। भोपुरा तिराहे पर भी गुरुवार से जलभराव हुआ जो शनिवार तक नहीं उतरा।

कविनगर इंडस्ट्रियल एरिया हुआ पानी-पानी

तीन घंटे की बारिश से कविनगर इंडस्ट्रियल एरिया पूरी तरह से पानी पानी हो गया। जगह-जगह जलभराव होने से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रूक गई है। मुख्य सड़के के अलावा फ्लाईओवर के नीचे भी पानी भर गया। कविनगर इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि अभी पिछले दिनों उद्योग बंधु की बैठक में जिलाधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए लेकिन पहली बारिश में ही क्षेत्र में जलभराव की असलियत सामने ला दी है।

ट्रांस हिंडन एरिया का रहा बुरा हाल

गुरुवार सुबह से हुई मूसलाधार बारिश के चलते ट्रांस हिंडन एरिया की ज्यादातर कॉलोनियां पानी से लबालब भर गई। जिसके कारण रास्तों पर भारी ट्रैफिक जाम की समस्या देखी गई। वसुंधरा, वैशाली, डेल्टा कॉलोनी, राजेंद्रनगर, अर्थला, शालीमार गार्डन, डीएलएफ में जलभराव देखा गया। इंदिरापुरम के शिप्रा सन सिटी में ग्राउंड फ्लोर पर रहने वालों के घरों में पानी घुस गया। अर्थला मेट्रो स्टेशन के बाहर भारी जलभराव के कारण भारी जाम लग गया।

रंग गया भोले के रंग में गाजियाबाद

न बारिश की परवाह, न पैरों में छालों का दर्द, बस जुबां में बम-बम

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। पवित्र सावन माह में होने वाली कांवड़ यात्रा और सावन शिवरात्रि के लिए गाजियाबाद पूरी तरह भोले के रंग में रंग गया है। प्राचीन सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में सारी व्यवस्थाएं कर ली गई है। हालांकि इससे पहले व्यवस्थाएं करने में देरी हो रही थी, जिस कारण महंत नारायण गिरी थोड़ा परेशान थे। शनिवार तक सारी तैयारियां पूरी कर ली गई। शिवरात्रि पर 15 की रात से जलाभिषेक शुरू हो जाएगा।

हरिद्वार में 3 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। इस बार करीब 5 करोड़ कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने की उम्मीद है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने शहर के मंदिरों के लिए वापस लौटना शुरू हो गए हैं।

स्थित देवी मंदिर, पुराना शिव मंदिर, मोदीनगर शिव मंदिर प्रमुख रहेंगे।

इसी के साथ कावड़ यात्रा को बिना किसी रूकावट के संपन्न कराने के लिए इस बार गाजियाबाद को चार जोन में बांटा गया है। कावड़ यात्रा के दौरान पुलिस के करीब 800-1000 जवान तैनात किए गए हैं। साथ ही कुछ पुलिसकर्मी कावड़ियों के भेष में कावड़ यात्रा में तैनात किए गए।

सावन माह के प्रमुख पर्व

श्रीमहंत नारायण गिरी ने बताया कि इस बार अधिकमास के कारण सावन का महीना 58 दिन तक चलेगा। सावन महीने के साथ ही व्रत-त्योहार भी आरंभ हो जाते हैं। 6 जुलाई को संकष्टी चतुर्थी, 13 जुलाई को कामिका एकादशी, 15 जुलाई को शिवरात्रि, 17 जुलाई को श्रावण माह की अमावस्या, 19 अगस्त को हरियाली तीज, 21 अगस्त नाग पंचमी व 30 अगस्त को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाएगा।

सावन महीने का महत्व

श्री महंत नारायण गिरी ने बताया कि श्रावण का महीना भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है। भोले भंडारी को सावन का महीना प्रिय होने के पीछे एक कथा है। सावन के महीने में शिवलिंग का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। पूरे सावन महीने के दौरान हर दिन शिवजी की पूजा-उपासना करने पर सभी तरह की मनोकामना जल्दी पूरी होती हैं।

कांवड़ में 161 किलो गंगाजल भरकर चला जतिन

गाजियाबाद का एक युवक कांवड़ में अपने माता-पिता को लेकर चल रहा है। गाजियाबाद का कांवड़िया अपनी कांवड़ में मां-बाप को लेकर हरिद्वार से पैदल आ रहा है। ये भक्त गाजियाबाद में लोनी क्षेत्र के गांव असालतपुर गुर्जर का रहने वाला है। कांवड़ के एक पलड़े में मां और दूसरे पलड़े में बूढ़े पिता बैठे हैं। इस कांवड़ को देखकर हर कोई अचंभित रह जाता है। गाजियाबाद से हरिद्वार की दूरी लगभग 180 किलोमीटर की है। वहीं, कांवड़ में 161 किलो गंगाजल भरकर ला रहे जतिन गुर्जर अपने माता-पिता के लिए कांवड़ ला रहे हैं। मेरठ में किला परीक्षितगढ़ के जतिन गुर्जर हरिद्वार से कांवड़ में 161 किलो गंगाजल भरकर चल चुके हैं। वे मुजफ्फरनगर पहुंच चुके हैं। जतिन ने कहा, ये मेरी चौथी कांवड़ है। इस बार ये कांवड़ अपने माता-पिता के लिए लेकर आया हूं। पिछली बार योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर 120 किलो की कांवड़ लाया था। मैं दिन में 7 किमी की दूरी पैदल तय करता हूं। शिवरात्रि पर अपने कस्बे के गंधार मंदिर में पहुंचकर जलाभिषेक करुंगा।

मां को दर्शन कराने निकला देव कुमार

हालांकि कांवड़ यात्रा अभी अपनी रफ्तार नहीं पकड़ी है लेकिन अभी से कई ऐसे शिवभक्त आने लगे जो अपनी खास वजह से चर्चा में है। बुलंदशहर निवासी देव कुमार अपनी मां को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार से बुलन्दशहर जा रहे हैं। चलने फिरने में कमजोर उनकी मां पालकी में बैठी गंगाजल लेकर आ रही हैं। मुरादनगर पहुंचने पर देव कुमार का स्वागत किया गया। बुलंदशहर के खुर्जा धराऊं के निवासी देव उर्फ धोनी अपने कंधे पर कांवड़ में एक तरफ अपनी मां सरस्वती और दूसरी तरफ 61 लीटर गंगाजल लेकर हरिद्वार से अपने घर की ओर जा रहे हैं। वह बृहस्पतिवार दोपहर को मुरादनगर के असालतनगर के पास पहुंचे। देव ने बताया कि 1 जुलाई को हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर घर की तरफ जा रहे हैं। वहीं, मोदीनगर में राजस्थान व हरियाणा जाने वाले शिव भक्त कांवड़िए गंगनहर पटरी से पाइपलाइन होकर लोनी से होते हुए दिल्ली की सीमा में पहुंच रहे हैं। गंगनहर पटरी पर सालेनगर से गंगनहर मुरादनगर पुल तक सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जगह जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। कांवड़ सेवा शिविर में भी कांवड़ियों की सुरक्षा को विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर के श्रीमहंत नारायण गिरी ने बताया कि पवित्र श्रावण मास इस बार अधिक मास के चलते 2 महीने का होगा। इसी कारण भक्तों के इस बार सावन के 8 सोमवार भगवान शिव की भक्ति करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। सावन मास 4 जुलाई से शुरू हो चुका है और उसका समापन 31 अगस्त को होगा। इस दौरान 18 जुलाई से 16 अगस्त तक अधिक मास होने से भगवान विष्णु की कृपा भी भक्तों को मिलेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में होते हैं। ऐसे में सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में रहता है। अधिकमास के चलते इस बार चातुर्मास चार के बजाय पांच महीनों का होगा।

इस बीच, कांवड़ यात्रा में कई रोचक नजारे भी देखने को मिल रहे हैं।

एनएच-9 पर लगभग 28 किलोमीटर का सफर

कांवड यात्रा में हरिद्वार से गाजियाबाद तक 81 किमी की दूरी तय करनी होगी। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर लगभग 53 किलोमीटर एनएच-9 पर लगभग 28 किलोमीटर का सफर रहेगा। कावड़ यात्रा के दौरान मुख्य मंदिरों और प्रमुख स्थानों को भी चिन्हित कर लिया गया है। जिसमें मुरादनगर गंग नहर घाट, दूधेश्वर नाथ मंदिर, दिल्ली गेट

हरिद्वार से 1000 लीटर गंगाजल भी मंगवाया

गाजियाबाद पुलिस ने इस बार हरिद्वार से 1000 लीटर गंगाजल भी मंगवाया है, ताकि किसी भी कावड़िए की कावड़ खंडित होने पर उन्हें गंगाजल उपलब्ध कराया जा सके और वह आगे के लिए प्रस्थान कर सकें। गाजियाबाद के अंतर्गत चार मुख्य कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जिसमें एक कंट्रोल रूम की स्थापना गंग नहर मुरादनगर में होगी तो दूसरा कंट्रोल रूम मेरठ चौराहे पर बनाया गया। तीसरा टीला मोड़ और जिला मुख्यालय पर और चौथा कंट्रोल रूम में स्थापित किया गया।

गाजियाबाद में 40 वॉच टावर स्थापित किए गए

कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस की तरफ से गाजियाबाद में 40 वॉच टावर स्थापित किए जाएंगे। इन वॉच टावर पर प्रत्येक 12 -12 घंटे कि ड्यूटी में दो पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। वॉच टावर पर तैनात पुलिसकर्मी के पास दूरबीन ,वॉकी टॉकी साथ ही हथियार भी मौजूद रहेंगे । यह पुलिसकर्मी पावर कंट्रोल रूम के साथ संपर्क में रहेंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत पहुंचाई जा सके और बचाव दल के साथ मिलकर काम पूरा कर सकें।

क्या कूड़ा निस्तारण की समस्या का हो गया समाधान ?

कविनगर जोन के तहत आने वाले पाइपलाइन में निस्तारण के लिए स्थान चयनित किया गया है

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। कूड़े को लेकर उठा विवाद अब थमता नजर आ रहा है। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ ने शहर के कूड़ा उठान की समस्या के समाधान के लिए योजना बनाई है। नगर आयुक्त लगातार इसके स्थाई समाधान के लिए भी प्रयासरत है।

कूड़ा निस्तारण की समस्या के समाधान के लिए नगर आयुक्त ने पूरी टीम के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कवि नगर जोन स्थित पाइप लाइन के समीप कचरा निस्तारण के लिए स्थान का चयन किया है, जहां पर कचरे के निस्तारण की कार्यवाही कराई जाएगी। शहर वासियों को थोड़े से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को कूड़ा उठान के लिए अविलंब कार्यवाही के निर्देश दिए गए है। गाजियाबाद नगर निगम योजनाबद्ध तरीके से हर समस्या का समाधान शहर हित में एकजुट होकर कर रहा है जिसके चलते कचरा निस्तारण की समस्या का समाधान भी कराया जा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में भी एकजुट मेहनत से कार्य कर सफलता को हासिल करेंगे।

आने वाली किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए नगर निगम पूरी तरह तैयार है। इसमें शहर वासियों का भी सहयोग प्राप्त होता है। कचरा निस्तारण की समस्या का पूरी तरह समाधान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर से कूड़ा उठाने की प्रक्रिया तेजी से शुरू कर दी गई है जिस के क्रम में मुख्य चौराहों की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। साथ ही ऐसे पॉइंट जहां पर कूड़ा एकत्र किया जाता था, उनको साफ किया गया। कूड़े को पाइपलाइन रोड नए स्थान पर ले जाया गया। शहर वासियों के लिए कूड़े की समस्या गंभीर होती जा रही थी जिसका समाधान निकाल लिया गया। ऐसे स्थान का चयन किया गया जहां पर कचरे का निस्तारण कराया जा सकता है।

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश ने बताया कि मुख्य सड़क के साथ ही आंतरिक गलियों में भी सफाई व्यवस्था बेहतर की गई। कचरा निस्तारण कार्यवाही को लेकर लगातार प्रयास जारी है। समस्त एसएफआई को भी क्षेत्र में वृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाने के लिए कहा गया है।

जमीन 1 साल के लिए ली तो कूड़े का ठेका 5 साल कैसे मिला

मेयर सुनीता दयाल ने उठाए सवाल

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। मोरटा के पास कूड़ा निस्तारण प्लांट को लेकर विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इसे लेकर मेयर सुनीता दयाल ने नगर निगम प्रशासन को फिर से आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि जब जीरोन कंपनी ने मोरटा में किसान के साथ एक वर्ष के लिए जमीन का अनुबंध किया था तो निगम अफसरों ने कैसे कंपनी के साथ कूड़ा निस्तारण के लिए पांच वर्ष का अनुबंध कर लिया। इसकी जांच होनी चाहिए। इसके लिए जो भी अधिकारी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अभी कांवड़ मेला चल रहा है। इसके बाद यूपी सरकार से निगम अधिकारियों की शिकायत की जाएगी।

मेयर का आरोप है कि मैंने स्वयं गाजियाबाद में कूड़ा डालते हुए एमसीडी के ट्रकों को पकड़ा है। इसके बाद भी नगर निगम की ओर से एमसीडी को नोटिस जारी नहीं किया गया है। जानबूझकर ऐसा किया जा रहा है। अगर निगम की ओर से अब भी एमसीडी को नोटिस जारी नहीं किया गया तो इस मामले में मैं अपनी ओर से एमसीडी को नोटिस जारी करूंगी।

मेयर का आरोप है कि जीरोन कंपनी ने जब कूड़े का निस्तारण नहीं किया तो निगम के हेल्थ विभाग ने इस ओर ध्यान क्यों नहीं दिया। अब मोरटा के पास कूड़े का पहाड़ बन गया है। जब कूड़े का पहाड़ बना हुआ है तो कैसे नगर निगम ने जीरोन कंपनी को भुगतान किया है। इस मामले में नगर निगम के किसी भी अधिकारी ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

Editorial

The political drama in Maharashtra

Once considered as a politically stable state, Maharashtra nowadays has become a playground of modern day politics. Last week, the state witnessed a series of political drama with almost all parties played its role very carefully. The revolt in the Nationalist Congress Party (NCP), led by the ever-restive Ajit Pawar, and the swift defection of his faction to the Shiv Sena-BJP government fall into a template that has been mastered by the saffron party . This led to NCP chief Sharad Pawar called a meeting on Wednesday, to show strength. The political drama will only lead to more instability in the government, with multiple power centres pulling in different directions. Instead of 'Double Engine' Sarkar, the oft-repeated slogan of the BJP, Maharashtra can now boast of a 'Triple Engine' Sarkar with Pawar, the nephew of the octogenarian Maratha strongman and the NCP supremo Sharad Pawar, taking over as the deputy Chief minister. For Chief Minister Eknath Shinde, things could quickly turn nasty as his party will lose its exclusivity and will be forced to share power with a third partner. The BJP's reliance on the Shinde faction to run a stable government will be reduced. Shinde's grip over governance may weaken in the days ahead as Ajit Pawar is seen as a strong administrator and a wily politician with much more experience in governance. The latest political coup is different from what Ajit Pawar had attempted in 2019 when he became the deputy CM for less than 48 hours following the infamous early morning oath-taking ceremony in Mumbai. This time around, several Sharad Pawar loyalists, including Chhagan Bhujbal, Dilip Walse Patil and Hassan Mushrif, have switched loyalties and have been rewarded with cabinet berths.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

BJP's big organisational shake-up in states

As the Lok Sabha Election 2034 approaches, the BJP last week executed a major organisational rejig by appointing new presidents in four states: poll-bound Telangana, Andhra Pradesh, Jharkhand and Punjab. This is likely to be followed by changes in three more states- Gujarat, Madhya Pradesh, where elections are due this year, and Karnataka. The BJP is also working out a national-level organisational shake-up as well as a Union cabinet reshuffle.

The BJP leadership has decided to elevate Gujarat unit chief C.R. Patil. The buzz is that he may make it to national president J.P. Nadda's team as general secretary and tasked with organisational matters in Uttar Pradesh. Patil is considered to be close to Prime Minister Narendra Modi, and his skills may come handy in trying to forge peace between the camps of UP chief minister Yogi Adityanath and the Keshav Prasad Maurya-Sunil Bansal group. It is likely that Patil will be replaced in the Gujarat BJP by Union minister Mansukh L.

Mandaviya, another Modi loyalist.

The announcement of new BJP chiefs in four states comes with a lot of messaging. The state chiefs for Punjab (Sunil Jakhar), Andhra Pradesh (D. Purandeswari) and Jharkhand (Babulal Marandi) have one thing in common-all are party hoppers. Telangana has been entrusted to Union minister G. Kishan Reddy. The appointments suggest that the BJP is aggressively looking for expansion in these states and is ready to break away from past precedents and self-declared no-go areas.

Till recently, the tradition in the BJP had been of reserving the post of state unit chief for party insiders even as turncoats were accommodated in the organisational structure and generously given positions in the government, including the chief minister's post. Structurally, the BJP is a president-centric party wherein the state chiefs' job is to not only run the organisation but also coordinate with the local RSS units. Traditionally, the BJP allows turncoats time to adjust within the saffron fold.

New Jharkhand unit chief Marandi had started his political career in the BJP before moving out in 2002 and launching his own outfit, the Jharkhand Vikas Morcha, in 2006.

He returned to the BJP in 2020, merging his outfit and being given leadership in the party's legislative unit. However, owing to complexities in the merger of his party with the BJP, the Jharkhand assembly speaker hasn't recognised Marandi as the leader of the Opposition yet. However, by appointing him as state unit chief, the BJP is attempting a Santhali vs Santhali contest, since both chief minister Hemant Soren of the Jharkhand Mukti Morcha and Marandi belong to the same tribal community.

How Uttar Pradesh is moving towards water sustainability

Despite the efforts made by the state government, there are still challenges in the implementation of schemes and campaigns

By Faraz Ahmad

Uttar Pradesh is grappling with unabated use of groundwater resources due to growing demand, particularly in the agriculture sector. In the last 30-40 years, groundwater use has increased due to increase in net irrigated area. At present, the state is known to have about 87 per cent irrigated area while the national average is only 49 per cent. As a result, the state is now one of the highly irrigated states of the country. Irrigation in the state is highly dependent on groundwater, with more than 3.7 million shallow tubewells extracting about 41 billion cubic metres (bcm) of groundwater annually for the purpose. This is about 90 per cent of the total groundwater abstraction in the state. The state is also focusing on revival of the water bodies, particularly ponds as they are an essential source of freshwater and provide numerous ecological, economic and social benefits. A total of 245,088 water bodies are enumerated in Uttar Pradesh, out of which 98 per cent (240,140) are in rural areas and the remaining 2 per cent (4,948) are in urban areas, according to the first census of water bodies released by the Union Ministry of Jal Shakti (water resources) in 2023. A majority of the water bodies are ponds. Out of the total available water bodies, 27 per cent (65,502) are not in use on account of being dried up, siltation, salinity, destroyed beyond repair and other reasons. The Amrit Sarovar Scheme, a government initiative, was launched on April 24, 2022 to provide clean drinking water

to rural areas in the state. The scheme aims to ensure that every household in the state has access to safe drinking water as a part of source sustainability under Jal Jeevan Mission. Jal Jeevan Mission was launched in 2019 by the Centre, aimed at providing functional household tap connections to all rural households by 2024. According to a report by the National Institution for Transforming India (NITI Aayog), Uttar Pradesh has made significant progress in the implementation of the Jal Jeevan Mission. As of March 2021, the state had provided tap connections to around 3.5 million households, which is about 21.2 per cent of the total rural households in the state. Uttar Pradesh tops in country, with 10,858 lakes developed under Mission Amrit Sarovar, which is almost twice the total number of such lakes developed collectively in Madhya Pradesh, Jammu & Kashmir, Rajasthan and Tamil Nadu. Another scheme, the Atal Bhujal Yojana (ATAL JAL), is being implemented in 8,562 Gram Panchayats of 80 districts in Gujarat, Haryana, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan and Uttar Pradesh with an aim to improve community led sustainable groundwater management. Under this scheme, Rs 7.69 crore was released for Uttar Pradesh for financial year 2020-21 and Rs 32.33 crore for FY 2021-22. The fund from the central government was for 550 Gram Panchayats in 26 blocks of 10 districts. In conclusion, Uttar Pradesh has made progress in the implementation of water conservation and management schemes, but there is still a long way to go to achieve sustainable water management. Despite the efforts made by the state government, there are still challenges in the implementation of these schemes and campaigns due to the lack of awareness and participation of local communities, and poor maintenance of existing water conservation structures.

अब खोड़ा में आया धर्म परिवर्तन का मामला

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। शहर में एक और जबरन धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। यह मामला खोड़ा कॉलोनी में सामने आया है। इंदिरापुरम पुलिस ने शनिवार को धर्मांतरण कराने वाले एक बड़े गैंग का पदार्फाश किया है। इस मामले में शनिवार को देवबंद मदरसे के छात्र, कोचिंग संस्थान संचालक और प्राइवेट कंपनी के एम्प्लॉय को गिरफ्तार किया गया। इन तीन में से दो आरोपी पहले हिंदू थे, जो अब मुस्लिम बन चुके हैं। इस गैंग के अब तक 7 युवक-युवतियों का धर्मांतरण कराने की बात पुष्टि हुई है।

आरोपियों की पहचान दिल्ली के संगम विहार के राहिल उर्फ राहुल अग्रवाल, पलवल के अब्दुल्ला अहमद उर्फ सौरभ खुराना और संगम विहार के मोहम्मद मुसीर के रूप में हुई है। राहिल नोएडा की कंपनी में जॉब करता है, जहां वह खोड़ा में रहने वाली एक युवती उसके संपर्क में आई। मुसीर दिल्ली संगम विहार में कोचिंग सेंटर चलाता है। वहीं अब्दुल्ला उर्फ सौरभ पहले अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का छात्र रहा है और अब देवबंद के मदरसे से पढ़ाई कर रहा था।

अब्दुल्ला अहमद

राहिल

मोहम्मद मुसीर

क्या है मामला

गाजियाबाद में खोड़ा थाना क्षेत्र निवासी एक युवती नोएडा सेक्टर 62 की कंपनी में बतौर टेलीकॉलर जॉब करती है। उसके पिता ने बताया कि बेटी का व्यवहार पिछले 5 महीने से एकदम बदल गया था। उन्होंने जब बेटी का मोबाइल चेक किया, तो उसमें धर्मांतरण करने की बात सामने आई। बेटी ने मेरे सामने कबूला कि उसने धर्म परिवर्तन कर लिया है। और शरिया कानून की पढ़ाई कर रही है। इतना ही नहीं, बेटी ने पूरी फैमिली पर भी धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। इसके बाद पिता ने इस संबंध में 7 जुलाई को थाना खोड़ा में राहुल अग्रवाल उर्फ राहुल निवासी दिल्ली के खिलाफ धर्मांतरण का मुकदमा दर्ज कराया।

राहिल है मास्टर माइंड

इसके बाद पुलिस ने राहुल अग्रवाल उर्फ राहिल को गिरफ्तार किया, तो धर्मांतरण के इस पूरे सिंडिकेट का पदार्फाश होता चला गया। डीसीपी विवेक चंद्र यादव ने बताया कि 2017 में राहुल अग्रवाल 12वीं की पढ़ाई के दौरान कोचिंग लेने मोहम्मद मुसीर के दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट पर पहुंचा। इस दौरान मुसीर ने उसका ब्रेनवॉश शुरू कर दिया। आखिर एक साल में उसने राहुल का धर्मांतरण करा दिया और फिर वो राहुल से राहिल बन गया। कोचिंग सेंटर के पास में ही अब्दुल्ला उर्फ सौरभ खुराना रहता है।

डीसीपी ने बताया कि अब्दुल्ला का इस कोचिंग पर आना जाना था। एएमयू में साल 2014 में बीडीएस की पढ़ाई के दौरान ही धर्मांतरण करके सौरभ खुराना से अब्दुल्ला बन चुका है। दिल्ली में मुसीर ने अपने कोचिंग सेंटर पर अब्दुल्ला और राहिल की मुलाकात कराई। इसके बाद राहिल उर्फ राहुल ने नोएडा ऑफिस में जॉब करने वाली गाजियाबाद की युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाया। आखिरकार शरीयत कानून के हिसाब से राहिल ने युवती से ऑनलाइन निकाह कर लिया और उसको भी इस्लाम के रास्ते पर ले आया।

राहिल को लवर बॉय के रूप में किया पेश

डीसीपी ने बताया कि दिल्ली के मुसीर और पलवल के अब्दुल्ला ने राहुल अग्रवाल को लवर बॉय के रूप में आगे बढ़ाया। राहुल ने जिस युवती का धर्मांतरण किया, उसकी मॉनिटरिंग खुद अब्दुल्ला और मुसीर ने की, ताकि कोई गड़बड़ न होने पाए। आरोपियों के मोबाइल से करीब 600 से ज्यादा पेज की चैट्स, कुछ वॉट्सऐप ग्रुप, फोटो और वीडियो मिले हैं। ये गैंग प्रतिबंधित जाकिर नाइक की वीडियो देखता था। नोएडा की पीड़ित युवती की कुछ आपत्तिजनक वीडियो भी राहिल के मोबाइल से मिली हैं। जिन्हें ब्लैकमेलिंग में इस्तेमाल कर सकता था। डीसीपी ने बताया कि आरोपी राहिल की नेपाल कर्नाटक आदि राज्यों के अलग-अलग लोगों से वॉट्सऐप चैट मिली है।

एक घटना जिसने सबको डरा दिया

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। पिछले सप्ताह गाजियाबाद में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने लोगों को भयभीत कर दिया। घबराइए नहीं, यह घटना कोई लूट या अन्य अपराध की नहीं है। यह घटना स्वास्थ्य से जुड़ी है। इस घटना ने अच्छे स्वास्थ्य वालों को भी डरा दिया है। जो लोग यह सोचते हैं कि सुबह योगा करने या जिम में कसरत करने पर ऐसी घटना उनके साथ नहीं हो सकती है, उन्हें दोबार सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा।

आखिर घटना क्या है

दरअसल जिले से हार्टअटैक का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिससे डॉक्टर भी हैरान में हैं। यहां एक 26 वर्षीय युवक की हार्टअटैक से मौत हो गई। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे राजनगर एक्सटेंशन के रहने वाले निमित्त जैन के 26 वर्षीय बेटे अक्षित जैन को हार्ट अटैक आ गया।

अक्षित दिन में अपने घर पर पढ़ाई कर रहा था। पढ़ाई करते-करते उसके सीने में दर्द उठा, जिसके बाद उसको स्कूटी पर बैठाकर संयुक्त अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर वह खुद दौड़कर अंदर जा रहा था। उसी दौरान लगभग 10 सेकंड बाद ही वह बेहोश होकर गिर पड़ा। तब उसे आनन-फानन इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया।

संयुक्त अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ.राकेश कुमार सिंह ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के सामने हुई इस घटना से ना सिर्फ अक्षित का परिवार बल्कि डॉक्टर भी हैरान में हैं कि आखिर ये क्या हो गया। वहीं, इमरजेंसी वार्ड में परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। वही, राजस्थान के कोटा के एक 21 साल के युवक को भी हार्ट एटैक आया, जबकि उसे इससे पहले हार्ट की कोई बीमारी नहीं थी।

गुजरात के जूनागढ़ में दो नाबालिगों की हार्ट अटैक से मौत हो गई। एक मृतक की उम्र 14 साल की थी तो वहीं दूसरे मृतक की उम्र 17 साल की थी।

क्यों होता है कम उम्र में हार्ट अटैक

जन्मजात हृदय रोग (सीएचडी) एक प्रकार का दिल की बीमारी है. इसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति इस बीमारी के साथ ही पैदा होता है। यह बीमारी जन्म के समय से ही बच्चे के शरीर में होता है या यूं कहें कि कोई बच्चा यह बीमारी लेकर ही पैदा होता है। अमेरिका में हर साल पैदा होने वाले 1 प्रतिशत शिशुओं में सीएचडी की बीमारी होती है। बच्चों और किशोरों को सीएचडी जैसी बीमारी आसानी से प्रभावित कर सकती हैं। इस बीमारी में दिल के वाल्व में ब्लड सकुर्लेशन में गड़बड़ी होती है। इस बीमारी में दिल के अंदर व्लव में ब्लड सकुर्लेशन संकुचित हो जाता है। हाइपोप्लास्टिक लेफ्ट हार्ट सिंड्रोम, जहां हृदय का बायां हिस्सा अविकसित होता है।

जन्मजात दिल के अंदर छेद

इस बीमारी के अंदर दिल में छेद या दिल में होने वाले ब्लड सकुर्लेशन संकुचित होने लगते हैं। वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष, आलिंद सेप्टल दोष, मरीज की धमनी वाहीनी। फैलोट की टेट्रालॉजी, जो चार दोषों का एक संयोजन है, जिसमें शामिल हैं।

जन्मजात दिल की बीमारी आपके हेल्थ पर लंबे समय तक प्रभाव डाल सकता है. उनका इलाज आमतौर पर सर्जरी, कैथेटर प्रक्रियाओं, दवाओं और गंभीर मामलों में हार्ट ट्रांसप्लांट के जरिए ही ठीक किया जा सकता है।

ये पांच कारण हैं हार्ट अटैक के

आजकल की बदलती लाइफस्टाइल और खान-पान के कारण हार्ट अटैक के मरीज बढ़े हैं। लोग हसंते-खेलते इसका शिकार हो रह हैं। यशोदा सुपर स्पेश्यालिटी अस्पताल के हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. आर के मणि के मुताबिक युवाओं और बुजुर्गों की समय से पहले मौत का एक बड़ा कारण हार्ट अटैक है। हार्ट अटैक की वजह से कई लोगों की मौके पर ही मौत हो जाती है, जबकि कुछ लोगों की हॉस्पिटल ले जाते समय और कई लोग हॉस्पिटल में अपनी जान गंवा देते हैं। डॉक्टर के मुताबिक हार्ट अटैक के प्रमुख कारण बताते हैं।

1. नींद न पूरी लेना : आजकल बढ़ते हार्ट अटैक का बड़ा कारण नींद पूरी नहीं लेना भी है। नवयुवक मोबाइल चलाने, ज्यादा तनाव लेने या अन्य कारणों से नींद पूरी नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण काम उम्र के लोग हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं।

2. खराब डाइट : हार्ट अटैक एक एक बड़ा कारण खराब डाइट भी है। लोगों को अपनी डाइट में ऐसा फूड शामिल करना चाहिए जो हार्ट के लिए फायदेमंद हो। लेकिन आजकल युवक बाहर का तला भुना और जंक फूड का सेवन ज्यादा कर रहे हैं। जिसकी वजह से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा है।

3. अधिक तनाव : ज्यादा तनाव लेने के कारण लोग हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं। आजकल के युवा भी तनाव से ग्रसित हो रहे हैं। उनमें डिप्रेशन बढ़ रहा है। फाइनेंसियल कारण, पारिवारिक कारण, मौत, समय की कमी या अन्य कारणों से लोगों में स्ट्रेस बढ़ा है। यह हार्ट अटैक का बड़ा कारण है।

4. अधिक एक्सरसाइज करने से : आजकल के युवा खुद को फिट और तंदरुस्त रखने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करते हैं। इसके लिए वो कई बार समय से अधिक एक्सरसाइज करते हैं। जिसके कारण हार्ट पर जोर पड़ता है। एक्सरसाइज सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। लेकिन ज्यादा एक्सरसाइज हार्ट के लिए खतरनाक है।

5.जेनेटिक कारण : अगर आपके परिवार में हार्ट अटैक से किसी की मौत हुई है तो उन्हें ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। हार्ट अटैक का बड़ा कारण आनुवांशिकी भी है। इसलिए अगर आपके परिवार में भी किसी की मौत हार्ट अटैक से हुई है तो अपना ख्याल रखें।

मुहब्बत न जाने सरहद और मजहब की बंदिशें

पाकिस्तान की चार बच्चे की मां पड़ गई ग्रेटर नोएडा के युवक की मुहब्बत में

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। कहते है कि मुहब्बत न सरहद देखती है और न मजहब। मुहब्बत के आगे सारी बंदिशें टूट जाती है। कुछ ऐसा ही हुआ नोएडा के युवक सचिन और पाकिस्तान की महिला सीमा के साथ। दोनों की मुलाकात पबजी के माध्यम से हुई। दोनों दोस्त बन गए। फिर एक दूसरे को चाहने लगे। ऐसी मुहब्बत हुई कि सारी बंदिशों को लांघकर सीमा नोएडा आ गई और अपने प्रेमी सचिन के साथ रहने लगी। सीमा पहले से शादीशुदा है। इतना ही नहीं, वह चार बच्चों की मां हैं लेकिन सचिन की मुहब्बत में इस कदर पागल हो गई कि अब वह मर जाना ज्यादा पसंद करती है, सचिन से अलग होकर रहने के बदले।

पबजी खेलते खेलते हो गया प्यार

सीमा सचिन के प्यार में पड़कर अपने चार बच्चों के साथ भारत आ गई। जब दोनों शादी करने के लिए वकील के पास गए तब पुलिस को इसका पता चला जिसके बाद से दोनों जेल में बंद है। सीमा और सचिन पब्जी के जरिए मिले और उन्हें प्यार हो गया जिसके बाद सीमा अपने सभी बच्चों को लेकर उनके साथ रहने आ गईं। वो लगभग एक महीने से सचिन के साथ ग्रेटर नोएडा में रह रही थीं लेकिन सोमवार को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सीमा नेपाल के रास्ते चोरी छिपे भारत आई। यहां आने के बाद वह ग्रेटर नोएडा अपने प्रेमी से मिलने पहुंची। सचिन के घरवालों ने भी सीमा को रहने की जगह दे दी।

सीमा के पति आए सामने

अब दोनों प्रेमी भारत सरकार से अपील कर रहे हैं कि उनकी शादी करा दी जाए। सीमा का कहना है कि वो भले ही भारत में मर जाएं लेकिन पाकिस्तान नहीं जाएंगी। इसी बीच सीमा के पति गुलाम हैदर जखरानी सामने आए हैं और उन्होंने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हैदर पिछले तीन सालों से सऊदी अरब में रहकर नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी पबजी गेम के कारण बहक गई हैं। उनका कहना है कि उनके बच्चों और पत्नी को पाकिस्तान वापस भेजा जाना चाहिए।

दुबई-नेपाल होते हुए पहुंची भारत

जानकारी के अनुसार सीमा हैदर अपने चार बच्चों के साथ मई के दूसरे सप्ताह में कराची से दुबई होते हुए नेपाल पहुंची। इसके बाद ये पोखरा, नेपाल से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किए। पूरे मामले की जानकारी पुलिस को एक वकील से हुई, जिससे सचिन और सीमा ने पिछले हफ्ते शादी के संबंध में संपर्क किया था। सोमवार को दोनों को बल्लभगढ़ में बस से गिरफ्तार कर लिया गया।

कई धाराओं में हुई रिपोर्ट दर्ज

27 साल की सीमा पर भारत में अवैध रूप से घुसने और रहने के लिए विदेशी एक्ट और भारत में प्रवेश के लिए पासपोर्ट एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। सीमा फिलहाल अपने बच्चों के साथ जेल में बंद हैं। जेल अधिकारियों ने बताया है कि सीमा के बच्चे छोटे हैं इसलिए उन्हें अपने बच्चों के साथ महिला बैरक में रखा गया है। सचिन और उनके पिता नेत्रपाल पर धारा 120 इ (आपराधिक साजिश) और एक पाकिस्तानी महिला को सीमा पार कराने और उसे भारत लाकर अपने घर में रखने के लिए धारा 34 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

गाजियाबाद से कानपुर सिर्फ 3.30 घंटे में

बनने जा रहा ग्रीनफील्ड कॉरिडोर

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। देश में कश्मीर से कन्याकुमारी तक सड़कों का तेजी से जाल बिछाया जा रहा है. इनमें एक्सप्रेसवे से लेकर हाईवे शामिल हैं। आर्थिक दृष्टि से भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी भारत माला परियोजना के तहत कई रोड इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

इसी कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं एक नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के बारे में, जिसकी मदद से गाजियाबाद से कानपुर का सफर महज साढ़े 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। इस एक्सप्रेसवे की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने वाली कंपनी पहले ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 3 विकल्प बताए हैं, जिस पर जुलाई में निर्णय लिया जाएगा। 380 किलोमीटर लंबे से ग्रीन फील्ड हाईवे को एनएचएआई द्वारा ग्रीन हाईवे पॉलिसी के तहत बनाया जाएगा।

ये 10 शहर होंगे कवर

इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के तैयार होने से दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी, क्योंकि इसकी मदद से राज्य के 10 बड़े शहरों का सफर तय किया जा सकेगा। खास बात है कि इस हाईवे के तैयार होने के बाद गाजियाबाद से कानपुर तक का सफर महज साढ़े 3 घंटे का हो जाएगा। फिलहाल एच-91 गाजियाबाद और कानपुर को जोड़ता है व इसकी लंबाई 468 किलोमीटर है। इसके जरिये करीब 8 घंटे का समय लगता है।

यह एक्सप्रेसवे इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा, जो गाजियाबाद कानपुर 2 औद्योगिक शहरों को जोड़ेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह एक्सप्रेसवे हापुड़, बुलन्दशहर, अलीगढ, कासगंज, एटा, फरुर्खाबाद, उन्नाव और कन्नौज के सीमावर्ती क्षेत्रों से होते हुए गाजियाबाद और कानपुर को जोड़ेगा।

नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की खासियतें

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद और कानपुर को जोड़ने वाले 4 लेन एक्सप्रेसवे होगा, जिसे 6 लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। इस कॉरिडोर में कहां एलिवेटेड, अंडरपास और कहां एंट्री व एग्जिट प्वाइंट होंगे. इसकी जानकारी डीपीआर अप्रूवल के बाद मिलेगी. गाजियाबाद से कानपुर तक का सफर हरियाली से भरा होगा।

इस परियोजना का लक्ष्य यात्रा के समय को कम करना और दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। एनएचएआई ने एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक 90% भूमि पहले ही अधिग्रहित कर ली है, और निर्माण जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस परियोजना को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

नोएडा प्राधिकरण में ठेका दिलवाने के नाम पर खेल, सीईओ ने दिए जांच के आदेश

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण शहर में चल रहे पार्किंग व्यवस्था को लेकर कंपनी के चयन में जुटी हुई है। ऐसे में प्राधिकरण के यातायात प्रकोष्ठ ने अपनी चहेती एजेंसियों को पार्किंग का ठेका दिलवाने के लिए घोटाला किया है। शिकायत मिलने के बाद मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार सरफेस पार्किंग का ठेका दिलाने के लिए टेंडर निकाला गया था। इसमें कई एजेंसियों ने टेंडर डाला था। दरअसल, शहर की सड़कों पर करीब 58 जगह बनी पार्किंग में अगले महीने से गाड़ी पार्क करने के पैसे देने होंगे। गौरतलब है कि 1 दिसंबर से शहर में सेक्टर-18 को छोड़कर बाकी जगहों की सरफेस पार्किंग फ्री चल रही हैं।

नई एजेंसी को टेंडर फाइनल

आरोप है कि चहेती एजेंसियों को ठेका दिलवाने के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों ने नियमों से हटकर फैसले लिए। उन्होंने दो एजेंसियों को मानक पर खरे नहीं उतरने के चलते बाहर किया और नई एजेंसी को टेंडर फाइनल कर दिया। बताया जा रहा है कि यह एजेंसी भी सभी मानकों पर खरी नहीं उतर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की जांच में यह घोटाला सामने आया है। पूरी रिपोर्ट सीईओ कच दी जाएगी।

शहर के 58 स्थानों पर चल रही पार्किंग

नोएडा अथॉरिटी से मिली जानकारी के अनुसार, नोएडा शहर में कुल 58 स्थानों पर सड़कों पर पार्किंग चल रही है। हालांकि, इसमें सरफेस पार्किंग शामिल नहीं है। यह नोएडा के सेक्टर-18 में स्थित है। प्राधिकरण के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में तीन कलस्टर कंपनियां काम कर रही है, लेकिन बीते 30 नवंबर को इन कंपनियों से नोएडा अथॉरिटी का अनुबंध समाप्त हो चुका है।

पार्किंग शुल्क तय

पुरानी एजेंसियों से प्राधिकरण को प्रति माह करीब 60 लाख रुपये का राजस्व मिलता था, लेकिन आठ माह सरफेस पार्किंग टेंडर प्रक्रिया पूरा नहीं होने से निशुल्क संचालित हो रही थी। इससे नोएडा प्राधिकरण को राजस्व का नुकसान हो रहा है। दूसरी तरफ टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, उससे पहले पार्किंग शुल्क तय कर दी गई है। इस बार पार्किंग में वाहन खड़ा करने पर चार पहिया वाहन चालक को शुरूआत के दो घंटे के 20 और दोपहिया वाहन चालक को 10 रुपए देने होंगे। इसके बाद चार पहिया वाहन चालक को 10 रुपये प्रति घंटा और दोपहिया वाहन चालक को पांच रुपये प्रति घंटे के हिसाब से पार्किंग शुल्क देना होगा। पूरे दिन को लेकर पार्किंग शुल्क तय कर दी गई है। वाहन चालक मासिक पास की सुविधा भी ले सकते हैं।

दिल्ली-मेरठ रैपिड एक्स : दुहाई में बनेगा ग्रीन मेट्रो डिपो

कार्बन उत्सर्जन में सालाना 615 टन कमी आएगी

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। एनसीआर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने दुहाई में स्थित आरआरटीएस डिपो पहुंचे। डिपो में स्थापित एक अत्याधुनिक सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया। इसके संचालन से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। सोलर पावर प्लांट की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 585 किलोवॉट है। जिसके लिए वर्कशॉप सहित डिपो की कई अन्य बिल्डिंग्स पर सौर पैनल इंस्टॉल किए गए हैं। यह सोलर पावर प्लांट 25 वर्षों के दौरान प्रति वर्ष लगभग 6,66,000 यूनिट सौर ऊर्जा उत्पन्न करेगा। इस प्लांट से अनुमानित तौर पर सालाना 615 टन कार्बन उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है।

सौर ऊर्जा का परिचालन में होगा उपयोग

प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह ने कहा, ₹इस सोलर प्लांट से जिस मात्रा में सौर ऊर्जा उत्पादित होगी, वह न केवल डिपो की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगी, बल्कि उसके बाद अतिरिक्त उपलब्ध होगी। जिसका उपयोग अन्य आरआरटीएस परिचालनों में किया जा सकेगा। इस प्रयास से सौर ऊर्जा द्वारा संचालित दुहाई डिपो 'नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन' की उपलब्धि हासिल करके 'ग्रीन डिपो' बन जाएगा।₹

एनसीआरटीसी ने मार्च 2021में सोलर पॉलिसी अपनाई

राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत स्वच्छ और हरित ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एनसीआरटीसी ने मार्च 2021 में एक सोलर पॉलिसी अपनाई थी।

इस पॉलिसी के अनुसार एनसीआरटीसी अक्षय ऊर्जा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अगले 5 वर्षों में स्टेशनों, डिपो और अन्य भवनों की छतों पर कम से कम 11 मेगावाट पीक इन-हाउस सौर ऊर्जा का उत्पादन करेगा।

इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए ऊर्जा मिश्रण को अनुकूलित करेगा।

कार्बन उत्सर्जन में 2.5 लाख टन कमी होगी

आरआरटीएस भारत सरकार और चार राज्य सरकारों दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान का संयुक्त उपक्रम है। जिसका मकसद दिल्ली-एनसीआर में भीड़भाड़ कम करने, वाहनों की भीड़ और वायु प्रदूषण को कम करने, संतुलित और सतत विकास को सक्षम बनाना है। यह लंबे समय की योजना का हिस्सा है।

अनुमान है कि पहले वर्ष आरआरटीएस कॉरिडोर से एक लाख से अधिक वाहनों की भीड़ सड़कों से कम हो जाएगी। वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में 2.5 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड कम होगी। साथ ही वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने आरएचएएम के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को दी ट्राई साइकिल

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन और आरएचएएम के सहयोग से मंगलवार को आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को ट्राईसाइकिल दी। ट्राइसाइकिल पाकर वह व्यक्ति बेहद प्रसन्न हुआ।

वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने लाभार्थी को ट्राईसाइकिल की चाबी दी।

इस मौके पर डॉ. धीरज भार्गव ने कहा कि ट्राईसाइकिल पर खानेपीने का सामान जैसे नमकीन, बिस्कुट आदि रखकर चलती फिरती दुकान बनाकर आजीविका कमा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर ने अपने सामाजिक दायित्वों के तहत गरीब और दिव्यांग व्यक्तियों को ट्राइसाइकिल देने के प्रोजेक्ट की शुरूआत की है।

इसके तहत आगे भी ट्राइसाइकिल का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन की अध्यक्ष कोमल जैन, सचिव कुनिका के साथ श्रेय और आरएचएएम फाउंडेशन की कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव भी उपस्थित थी।

यूपी में स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में गाजियाबाद दूसरे नंबर पर

गाजियाबाद (टीबीसी न्यूज)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की रैंकिंग के लिए शहर के लोगों से फीडबैक लिया जा रहा है। आगरा पिछले कई दिनों से यूपी में टॉप पर चल रहा है। दूसरे नंबर गाजियाबाद चल रहा है जबकि तीसरे नंबर पर लखनऊ का फीडबैक मिला है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छता सर्वेक्षण (एसएस) 2023 के लिए फील्ड असेसमेंट आरंभ कर दिया है। आगरा शहर को टॉप पर लाने के लिए आगराइट्स जागरूकता दिखा रहे हैं। नगर निगम ने रैंकिंग में शहर को सबसे ऊपर लाने के लिए ताकत झोंक रहा है। शहर में सूखे और गीले कूड़े

निस्तारण के साथ ही कूड़ा उठान आदि बिंदुओं पर जोर दिया जा रहा है। इससे शहर की जनता अच्छा फीडबैक दे रही है। सिटीजन फीडबैक में आगरा यूपी में अभी तक सबसे टॉप पर है। 6 जुलाई तक आगरा से 3856 लोगों ने स्वछच्छता को लेकर फीडबैक दिया है। यह आंकड़े अन्य शहरों के मुकाबले कई गुना ज्यादा हैं। दरअसल स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत 1 जुलाई से 15 अगस्त तक फीडबैक लिया जाएगा। फीडबैक के लिए 4 सवाल पूछे जाते हैं कि जिनमें पहला घर-घर से कूड़ा कलेक्शन को लेकर होता है। दूसरे सवाल में सूखा और गीला कूड़े के कलेक्शन को लेकर होता है। तीसरे सवाल में आपके आसपास के सावर्जनिक टॉयलेट के बारे में जानकारी ली जाती है। आखिरी सवाल आपके क्षेत्र सफाई को लेकर पूछा जाता है। इन सभी सवालों के जवाब आपको हां या ना में देने होते हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण में 3 कपोनेंट हैं जिनमें ओडीएफ प्लस प्लस, जीएफसी और सर्विस लेवल प्रोग्रेस शामिल हैं।

नगर निगम ने डूंडाहेड़ा में दो करोड़ की जमीन मुक्त कराई

गाजियाबाद। नगर निगम ने डूंडाहेड़ा गांव में करीब दो करोड़ की जमीन मुक्त कराई है। गुरुवार को महापौर आवास पर डूंडाहेड़ा गांव के लोग मिलने आए थे। इस दौरान उन्होंने महापौर को बताया गया कि कुछ भूमाफियाओं द्वारा नगर निगम की सरकारी भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। इसके बाद महापौर ने तत्काल अधिकारियों से वार्ता की और संपत्ति की टीम वहां भेजी।

टीम ने ग्राम डूंडाहैड़ा के खसरा नंबर 306 की भूमि पर करीब 500 वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई। यहां श्याम लाल पुत्र

मामचंद निवासी रिछपाल गढ़ी द्वारा निगम की भूमि पर कब्जा किया जा रहा था, जिसको संपत्ति प्रकोष्ठ द्वारा जे सी बी मशीन से हटा दिया। खाली कराई गई भूमि 500 वर्गमीटर है जिसकी कीमत दो करोड़ रुपए से अधिक है। मेयर ने अवैध कब्जा कर ने वाले दोषी व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा के लिए नगर निगम ने की पुख्ता व्यवस्था

मेयर सुनीता दयाल ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, दूधेश्वरनाथ मंदिर में 30 कैमरे से होगी निगरानी

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हिन्दू धर्म का पवित्र श्रावण मास शुरू हो गया है। 15 जुलाई को श्रावण शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इस बार लाखों की संख्या में शिव भक्त विभिन्न शिवालयों पर जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा के लिए नगर निगम की ओर से व्यापक व्यवस्था की गई है। मेयर सुनीता दयाल ने शुक्रवार को नगर नगम के अधिकारियों के साथ तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रीदूधेश्वर नाथ मंदिर, मेरठ रोड, शम्भू दयाल कॉलेज, रामलीला मैदान घंटा घर आदि जगहों पर शिवभक्त कांवड़िएं ठहरते हैं। उनके लिए नगर निगम की ओर से हर तरह की व्यवस्था की गई है। मेयर ने बताया कि नगर निगम का कन्ट्रोल रूम मेरठ रॉड तिराहे पर बनता है। इस बार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक के लिए गंगा जल की व्यवस्था, 30 पानी के टैंक एवं स्नान के लिए टोटी की व्यवस्था, 20 मोबाइल टॉयलेट, मुख्य मार्ग पर 3500 लाइटें लगाई गई है। इसके अलावा डेकोरेटिव लाइट, 30 सीसीटीवी कैमरे, 3 वॉच टॉवर, महिला एवं पुरुष द्वारा जलाभिषेक के लिए अलग अलग लाइन की व्यवस्था, मुख्य रोड पर लगे ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग, कांवड़ मार्ग पर स्थित लोहे के खम्बों पर पिन्नी लपेटने का व्यवस्था की गई। मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम सीमा में सड़क पर बेरिकेडिंग एवं लाइट, साफ सफाई, चुना छिड़काव, फॉगिंग, कूड़े के लिए छोटे वाहनों की व्यवस्था, सफाई कर्मचारियों एवं अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कावड़ मार्ग पर सड़क मरम्मत और पैच वर्क पूरा हो गया है। नगर निगम की ओर से शिव भक्त कावड़ियों पर पुष्प वर्षा की व्यवस्था कराई जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त नितिन गौड़, अपर नगर आयुक्त अरुण यादव, जीएम जल आनंद त्रिपाठी, मुख्य अभियंता एन के चौधरी, उद्यान प्रभारी डॉ अनुज सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथलेश, लेखाधिकारी डॉ गीता कुमारी,एवं सहायक अभियंता आश कुमार उपस्थित रहे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.